8. 'वापसी' कहानी में मध्यवर्गीय समाज किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ? स्पष्ट कीजिए।

9. ''प्रसाद जी अपनी कहानी 'पुरस्कार' के माध्यम से मानवीय यथार्थ को व्यक्त करते है।'' स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. आंचलिक उपन्यास एवं मनोवैज्ञानिक उपन्यास पर टिप्पणी कीजिए।

11. उपन्यास के उद्भव व विकास को समझाइए।

12. 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

13. 'उसने कहा था' कहानी का कहानी के तत्वों के आधार पर विवेचन कीजिए।

HD–02

June – Examination 2023

B.A. (Ist Year) Examination

HINDI SAHITYA

हिन्दी गद्य भाग-II (कथा साहित्य)

Paper : HD-02

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 70*

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) 'उसने कहा था' कहानी के **दो** प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।

(ii) वृन्दावन लाल वर्मा के किन्हीं **दो** ऐतिहासिक उपन्यासों के नाम लिखिए।

(iii) 'कालिंदीचरण' किस कहानी का पात्र है ?

(iv) 'पूस की रात' कहानी में प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।

(v) 'अरुण' किस राज्य का राजकुमार था ?

(vi) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी में वृद्ध व्यक्ति ने अपना नाम क्या बताया ?

(vii) भीष्म साहनी रचित कहानी का नाम लिखिए।

खण्ड—ब 4×7=28

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. पुरानी और नई कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3. 'चीफ की दावत' कहानी के वातावरण-परिवेश पर प्रकाश डालिए।

4. 'पुरस्कार' कहानी में मधुलिका के चरित्र की कोई **चार-चार** विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

नोट :- निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

5. "गहने ही स्त्री की सम्पत्ति होते हैं। पति की और किसी सम्पत्ति पर उसका अधिकार नहीं होता। जब उन्हें पहनकर निकलती थी तो उतनी देर के लिए उल्लास में उसका हृदय खिला रहता था। एक-एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक-एक रक्षास्त्र। उसे किस बात की चिन्ता है। इन्हें तो कोई उससे छिन न लेगा। आज ये मेरे सिंगार हैं, कल को मेरे आधार हो जाएँगे।"

6. पत्नी ने राहत की साँस ली। विमुक्त भाव से कहा, "अब कही मन को चैन मिला। मैंने तो सोचा बात कुछ दूसरी ही है। पर कुएँ में पानी न हो तो हम भी क्या करें ? यदि कुएँ का पानी नहीं खूटता तो जिन्दा रहते उसे छोड़ते भला ? लाचारी जो न कराए, थोड़ा है। कुएँ में पानी न हो तो उसमें धमाक देने से रहे ?"

7. "मातृ प्रेम में कठोरता होती थी लेकिन मृदुलता से मिली हुई। इस प्रेम में करुणा थी, पर वह कठोरता न थी, जो आत्मीयता का गुप्त संदेह है। स्वस्थ अंग की परवाह कौन करते हैं ? लेकिन वह अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है तो उसे ठेस और धक्के से बचाने का यत्न किया जाता है। बालक का करुण रोदन निर्मला को उसके अनाथ होने की सूचना दे रहा था।"